सीसीई मॉडल टैस्ट पेपर-3

हिंदी : पाठ्यक्रम 'ब'

प्रथम सत्र (संकलित परीक्षा–I)

(अभ्यास के लिए)

कक्षा : दसवीं

समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 90*

सामान्य निर्देश : *(i) इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं–'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।*
(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'
अपठित गद्यांश

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

शिक्षा को महत्त्वाकांक्षा से मुक्त होना ही चाहिए। महत्त्वाकांक्षा ही तो राजनीति है। महत्त्वाकांक्षा के कारण ही तो राजनीति सबके ऊपर, सिंहासन पर विराजमान हो गई है। सम्मान वहाँ है, जहाँ पद है। पद वहाँ है जहाँ शक्ति है। शक्ति वहाँ है, जहाँ राज्य है।

इस दौड़ से जीवन में हिंसा पैदा होती है। महत्त्वाकांक्षी चित्त हिंसक चित्त है। अहिंसा के पाठ पढ़ाए जाते हैं। साथ ही महत्त्वाकांक्षा भी सिखाई जाती है। इससे ज्यादा मूढ़ता और क्या हो सकती है ?

अहिंसा प्रेम है। महत्त्वाकांक्षा प्रतिस्पर्धा है। प्रेम सदा पीछे रहना चाहता है। प्रतिस्पर्धा आगे होना चाहती है। क्राइस्ट ने कहा है–'धन्य हैं वे, जो पीछे होने में समर्थ हैं।' मैं जिसे प्रेम करूँगा, उसे आगे देखना चाहूँगा और यदि मैं सभी को प्रेम करूँगा तो स्वयं को सबसे पीछे खड़ाकर आनंदित हो उठूँगा। लेकिन प्रतिस्पर्धा प्रेम से बिल्कुल उलटी है। वह तो ईर्ष्या है। वह तो घृणा है। वह तो हिंसा है। वह तो सब भाँति सबसे आगे होना चाहती है।

इस आगे होने की होड़ की शुरुआत शिक्षालयों में ही होती है और फिर कब्रिस्तान तक चलती है। व्यक्तियों में यही दौड़ है। राष्ट्रों में भी यही दौड़ है। युद्ध इस दौड़ के ही तो अंतिम फल हैं। इस दौड़ के मूल में क्या है ? मूल में है–अहंकार सिखाया जाता है, अहंकार का पोषण किया जाता है।

इसके लिए शिक्षण की पद्धति ही आमूल बदलनी होगी। प्रथम और अंतिम की कोटियाँ तोड़नी होंगी। परीक्षाओं को समाप्त करना होगा। और इन सबकी जगह जीवन के उन मूल्यों की स्थापना करनी होगी जो कि अहंशून्य और प्रेमपूर्ण जीवन को सर्वोच्च जीवन-दर्शन मानने से पैदा होते हैं।

1. राजनीति के सबसे ऊपर, सिंहासन पर विराजमान होने का कारण है _____।

(क) शिक्षा (ख) महत्त्वाकांक्षा
(ग) शक्ति (घ) सम्मान

2. महत्त्वाकांक्षा प्रतिस्पर्धा है क्योंकि वह _____।

(क) हमेशा पीछे रहना चाहती है (ख) बराबर रहना चाहती है
(ग) औरों को पीछे छोड़ना चाहती है (घ) वहीं रहना चाहती है

3. 'प्रतिस्पर्धा' को क्या-क्या माना गया है _____।

(क) शिक्षा, राजनीति, सिंहासन (ख) घृणा, आस्था, विश्वास

(ग) हिंसा, प्रेम, सद्भावना (घ) ईर्ष्या, घृणा, हिंसा

4. 'आगे होने की होड़ की शुरुआत शिक्षालयों से होती है।' कैसे ?

(क) बच्चे आगे रहते हैं। (ख) उन्हें दूसरों से आगे रहना सिखाया जाता है।

(ग) उन्हें परीक्षाओं में बैठना होता है। (घ) बच्चे ईर्ष्यालु होते हैं।

5. प्रथम और अंतिम की कोटियाँ तोड़ने से लेखक का आशय है _____।

(क) परीक्षाओं को समाप्त करना (ख) जीवन मूल्यों की स्थापना करना

(ग) प्रेमपूर्ण जीवन का आदर्श स्थापित करना (घ) शिक्षण की पद्धति को आमूल बदलना

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

निकम्मे रहकर मनुष्यों की चिन्तन-शक्ति थक गई है। बिस्तरों और आसनों पर सोते-सोते मन के घोड़े हार गए हैं। सारा जीवन-रस निचुड़ चुका है। स्वप्न पुराने हो चुके हैं। आजकल कविता में नयापन नहीं। उसमें पुराने जमाने की पुनरावृत्ति मात्र है। इस नकल में असल की पवित्रता का अभाव है। अब तो एक नए प्रकार का कलाकौशलपूर्ण संगीत साहित्य संसार में प्रचलित होने वाला है। यदि वह न प्रचलित हुआ तो मशीनों के पहियों के नीचे दबकर हमें मरा समझिये। यह नया साहित्य मजदूरों के हृदय से निकलेगा। उन मजदूरों के कंठ से यह नई कविता निकलेगी जो अपने जीवन आनन्द के साथ खेत की मेड़ों का, कपड़ों के धागों का, जूते के टांकों का, लकड़ी के रंगों का भेदभाव दूर करेंगे। नंगे सिर और पाँव, धूल से पिटे और कीचड़ से रंगे हुए वे बेजुबान कवि जब जंगल में लकड़ी काटेंगे तब लकड़ी काटने के शब्द इनके असभ्य स्वरों से मिश्रित होकर वायुयान पर चढ़ दसों दिशाओं में ऐसा अखुत गान करेगा कि भविष्य के कलावन्तों के लिए वही ध्रुपद और मल्हार का काम देगा। कला रूपी धर्म की तभी वृद्धि होगी, तभी नए कवि पैदा होंगे, तभी नए औलियों का उखव होगा। परन्तु ये सबके सब मजदूरी के दूध से पलेंगे। शुद्धाचरण, सभ्यता और कविता आदि के फूल इन्हीं ऋषियों के उद्यान में प्रफुल्लित होंगे।

1. 'चिन्तन-शक्ति' थकने का मूल कारण है _____।

(क) आलस्य (ख) कामचोरी

(ग) बेईमानी (घ) लापरवाही

2. वर्तमान में कविता में नयापन क्यों नहीं है ?

(क) कविताएँ पुरानी हैं। (ख) कविताएँ नई हैं।

(ग) कविताओं में नकल है। (घ) कवि पुराने हैं।

3. "नंगे सिर और पाँव, धूल से पिटे और कीचड़ से रंगे हुए वे 'बेजुबान कवि'।" यहाँ 'बेजुबान कवि' से किसकी ओर संकेत किया गया है ?

(क) गूँगे कवि की ओर (ख) अत्यंत गरीब कवि की ओर

(ग) नीरस कवि की ओर (घ) मजदूर की ओर

4. मजदूर बेजुबान रहकर भी कविता कैसे कर सकता है ?

(क) औजारों से निकलने वाले संगीत के माध्यम से।

(ख) भविष्य के कलावंतों को नवीन दृष्टि प्रदान करके।

(ग) नवीन साहित्य के विषयरूप में प्रविष्ट होकर।

(घ) अपनी भावनाओं की लिखित अभिव्यक्ति के माध्यम से।

5. शुद्धाचरण, सभ्यता और कविता इनकी तुलना किससे की गई है ?

(क) उद्यान से (ख) फूलों से

(ग) ऋषियों से (घ) श्रम से

अपठित काव्यांश

प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

साक्षी है इतिहास हमीं पहले जागे हैं
जाग्रत सब हो रहे हमारे ही आगे हैं।
शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे हैं ?
कायरता से कहाँ प्राण हमने त्यागे हैं ?
हैं हमीं प्रकंपित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय।
फिर एक बार हे विश्व! तुम, गाओ भारत की विजय।।
कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है तेज हमारा,
दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा।
बतलाओ तुम कौन नहीं जो हमसे हारा,
पर शरणागत हुआ कहाँ, कब हमें न प्यारा!
बस युद्ध-मात्र को छोड़कर, कहाँ नहीं हैं हम सदय!
फिर एक बार हे विश्व! तुम, गाओ भारत की विजय!

1. 'पहले जागे' से तात्पर्य है _____।
   (क) सबसे पहले ज्ञान प्राप्त किया (ख) सुबह सबसे पहले उठे
   (ग) सबसे पहले भाग्योदय हुआ (घ) सबसे पहले आगे बढ़े
2. "हैं हमीं प्रकंपित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय।" पंक्ति से हमारी किस विशेषता का बोध होता है ?
   (क) वीरता और साहस (ख) दानवीरता और करुणा
   (ग) श्रम और लगन (घ) पराक्रम और आतंक
3. 'दया' का भाव हममें किस समय नहीं रहता ?
   (क) शरणागत की रक्षा के समय (ख) विजय के समय
   (ग) युद्ध के समय (घ) दान के समय
4. विश्व को किस प्रकार के गीत गाने का आह्वान किया गया है ?
   (क) ज्ञान के (ख) भक्ति के
   (ग) युद्ध के (घ) भारत की विजय के
5. कविता की मूल भावना है _____।
   (क) वीरता (ख) देश-प्रेम
   (ग) युद्ध (घ) दया

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

यह समर तो और भी अपवाद है
चाहता कोई नहीं इसको, मगर
जूझना पड़ता सभी को, शत्रु जब
आ गया हो द्वार पर ललकारता।
छीनता हो स्वत्व कोई, और तू
त्याग-तप से काम ले, यह पाप है।
पुण्य है विच्छिन्न कर देना उसे
बढ़ रहा तेरी तरफ जो हाथ है।

युद्ध को तुम निंद्य कहते हो मगर
जब तलक हैं उठ रहीं चिनगारियाँ
भिन्न स्वार्थों के कुलिश संघर्ष की,
युद्ध तब तक विश्व में अनिवार्य है।
और जो अनिवार्य है, उसके लिए
खिन्न या परितप्त होना व्यर्थ है।
तू नहीं लड़ता, न लड़ पर आग यह
फूटती निश्चय किसी भी व्याज से।

1. अधिकार को छिनता देखकर भी त्याग-तप की नीति कवि की दृष्टि में है _____।
   (क) पुण्य (ख) नीति
   (ग) पाप (घ) निंदा
2. युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक _____।
   (क) लोगों के स्वार्थ टकराते रहेंगे (ख) शत्रु ललकारता रहेगा
   (ग) अन्याय होता रहेगा (घ) विजय की कामना रहेगी
3. किस कार्य को कोई नहीं चाहता ?
   (क) पाप करना (ख) युद्ध करना
   (ग) पुण्य करना (घ) त्याग करना
4. युद्ध के लिए पछतावा न करने की बात कही गई है क्योंकि यहाँ युद्ध _____।
   (क) धर्म है (ख) पुण्य है
   (ग) अनिवार्य है (घ) लाभदायक है
5. कवि के अनुसार पुण्य कर्म है _____।
   (क) आक्रमण के लिए बढ़े हुए हाथ को काट देना (ख) देशहित में युद्ध करना
   (ग) निजी स्वार्थों का त्याग करना (घ) त्याग-तप से काम लेना

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 5. (क) 'नदी' शब्द को पद और शब्द रूप में प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य बनाइए। (1 × 4 = 4)
(ख) 'हिमालय से गंगा निकलती है।' वाक्य में कौन-से संज्ञा पद हैं ?
(ग) गेंद की भाँति लुढककर वह नीचे जा गिरा। रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए।
(घ) भूरी आँखों वाली बिल्ली सुन्दर है। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

प्रश्न 6. (क) बाग में सुंदर फूल खिले हैं। रेखांकित पद का परिचय दीजिए। (1 × 4 = 4)
(ख) छोटा बच्चा बहुत तेज है। रेखांकित पद का परिचय दीजिए।
(ग) हमें गुरुजी से पाठ पढ़ना है। रेखांकित पद का परिचय दीजिए।
(घ) तुम बाजार गए और वह घर आ गया। रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए।

प्रश्न 7. (क) पिताजी आए और वर्षा रुक गई। मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए। (1)
(ख) जैसे ही मैं स्टेशन पहुँचा वैसे ही गाड़ी निकल गई। संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए। (1)
(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संधि-विच्छेद कीजिए– (2)
परमानन्द, एकैक, उमेश

प्रश्न 8. (क) 'महा + उदय' की संधि कीजिए। (1)

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो समस्तपदों का विग्रह कर भेद का नाम लिखिए– (2)

सत्याग्रह, चरण-कमल, हँसमुख, ग्रामपंचायत

(ग) 'जल का प्रवाह' का समस्तपद बनाकर समास का भेद लिखिए। (1)

प्रश्न 9. (क) निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किन्हीं दो का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनके अर्थ स्पष्ट हो जाए– (1 + 1 = 2)

(*i*) अंधे के हाथ बटेर लगना (*ii*) आग-बबूला हो उठना

(*iii*) दाँतों पसीना आ जाना (*iv*) जीती मक्खी नहीं निगली जाती

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे अथवा लोकोक्ति द्वारा कीजिए– (1 + 1 = 2)

(*i*) शेर को अपने सामने अचानक देख मेरे_____।

(*ii*) मुझ पर चाहे कैसा भी इल्जाम क्यों न लगाया जाए, मुझे बिल्कुल भय नहीं। मैं जानता हूँ,_____।

खंड 'ग'

पाठ्यपुस्तकें

प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढ़ै बन माँहि।
ऐसैं घटि घटि राँम है, दुनियाँ देखै नाँहिं।।
हम घर जाल्या आपणाँ, लिया मुराड़ा हाथि।
अब घर जालौं तास का, जे चलै हमारे साथि।।

1. 'मृग ढूँढ़ै बन माँहि' मृग कस्तूरी अपने पास होते हुए भी उसे वन में क्यों ढूँढ़ रहा है ?

(क) उसे कस्तूरी की गंध प्रिय है। (ख) उसे कस्तूरी अपने पास होने का आभास नहीं है।

(ग) मृग को वन में कस्तूरी दिखाई दे रही है। (घ) मृग जान-बूझकर ऐसा कर रहा है।

2. मृग और मनुष्य में क्या समानता है ?

(क) दोनों जीव हैं। (ख) दोनों अज्ञानी हैं।

(ग) दोनों भीतर की वस्तु को बाहर ढूँढ़ते हैं। (घ) दोनों को वनों से लगाव है।

3. 'कस्तूरी कुंडलि बसै' उदाहरण द्वारा कवि क्या बताना चाहता है ?

(क) कस्तूरी का निवास नाभि में है। (ख) कस्तूरी कुंडली बनाकर छिपी रहती है।

(ग) ईश्वर का निवास हृदय में है। (घ) ईश्वर का निवास बाहर है।

4. 'हम घर जाल्या आपणाँ' कवि द्वारा घर जलाने से तात्पर्य है _____।

(क) अपने निवास को आग लगाना (ख) सांसारिक इच्छाओं को मारकर वैराग्य धारण करना

(ग) अपने हाथों घर की सफाई करना (घ) अपने घर का निर्माण करना

5. 'लिया मुराड़ा हाथि' यहाँ 'मुराड़ा' किसका प्रतीक है ?

(क) भक्ति का (ख) आस्था का

(ग) अज्ञान का (घ) ज्ञान और विरह का

अथवा

हरि आप हरो जन री भीर।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धर्‌यो आप सरीर।

वूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर।
दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।

1. 'भीर' का तात्पर्य है _____।
(क) भीड़ (ख) दुख
(ग) विपत्ति (घ) दर्द

2. हरि ने द्रौपदी की लाज किस प्रकार रखी थी ?
(क) सम्मान देकर (ख) नृसिंह रूप धारण कर
(ग) वस्त्र बढ़ाकर (घ) मोक्ष प्रदान कर

3. ईश्वर द्वारा नृसिंह रूप धारण करने का कारण था _____।
(क) भक्त की रक्षा (ख) पशुओं का बचाव
(ग) हाथी की रक्षा के लिए (घ) मनुष्यों को वीरता सिखाना

4. प्रस्तुत पद में मीरा का कौन-सा स्वरूप प्रकट हो रहा है ?
(क) स्वामिनी का (ख) पत्नी का
(ग) दासी का (घ) दुखियारी का

5. पद में 'कुण्जर' का समानार्थी है _____।
(क) गजराज (ख) नरहरि
(ग) गिरधर (घ) भगत

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (3 + 2 = 6)

(क) पुलिस कमिश्नर के नोटिस और कौंसिल के नोटिस में क्या अंतर था ?

(ख) रूढ़ियाँ जब बन्धन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों ? 'ततांरा-वामीरो' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) 'शैलेंद्र ने राजकपूर की भावनाओं को शब्द दिए हैं ?'–इस कथन से आप क्या समझते हैं। स्पष्ट करें।

प्रश्न 12. 'बड़े भाई साहब' पाठ की मूल समस्या क्या है ? पाठ से हमें क्या संदेश मिलता है ? (5)

अथवा

अंग्रेज सरकार के द्वारा लागू किस कानून को भंग करने की बात की गई थी ? क्या कानून भंग करना उचित था ? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के संदर्भ में अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

बड़े बाज़ार के प्राय: सभी मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहरा रहा था और कई मकान तो ऐसे सजाए गए थे कि ऐसा मालूम होता था कि मानो स्वतंत्रता मिल गई हो। कलकत्ते के प्रत्येक भाग में ही झंडे लगाए गए थे। जिस रास्ते से मनुष्य जाते थे उसी रास्ते में उत्साह और नवीनता मालूम होती थी। लोगों को कहना था कि ऐसी सजावट पहले नहीं हुई। पुलिस भी अपनी पूरी ताकत से शहर में गश्त देकर प्रदर्शन कर रही थी। मोटर लारियों में गोरखे तथा सारजेंट प्रत्येक मोड़ पर तैनात थे। कितनी ही लारियाँ शहर में घुमाई जा रही थीं। घुड़सवारों का प्रबंध था। कहीं भी ट्रैफिक पुलिस नहीं थी, सारी पुलिस को इस काम में लगाया गया था। बड़े-बड़े पार्कों तथा मैदानों को पुलिस ने सवेरे से ही घेर लिया था।

(क) राष्ट्रीय झंडा कहाँ-कहाँ फहराया जा रहा था ? (1)
(ख) कलकत्ता में चल रही तैयारियों का वर्णन कीजिए। (2)
(ग) पुलिस ने क्या विशेष प्रबंध किए थे ? क्यों ? (2)

अथवा

दोनों रोज़ उसी जगह पहुँचते और मूर्तिवत एक-दूसरे को निर्निमेष ताकते रहते। बस भीतर समर्पण था जो अनवरत गहरा रहा था। लपाती के कुछ युवकों ने इस मूक प्रेम को भाँप लिया और खबर हवा की तरह वह उठी। वामीरो लपाती ग्राम की थी और ततांरा पासा का। दोनों का संबंध संभव न था। रीति अनुसार दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था। वामीरो और

तताँरा को समझाने-बुझाने के कई प्रयास हुए किंतु दोनों अडिग रहे। वे नियमतः लपाती के उसी समुद्री किनारे पर मिलते रहे। अफ़वाहें फैलती रहीं।

(क) तताँरा और वामीरो किस-किस गाँव के रहने वाले थे ? (1)

(ख) तताँरा और वामीरो एक-दूसरे को निर्निमेष क्यों ताकते रहते ? (2)

(ग) दोनों का विवाह सम्भव क्यों न था ? (2)

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (3 × 3 = 9)

(क) वाणी के बारे में कबीर के विचार अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

(ग) मीरा के पद के आधार पर श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

(घ) कबीर ने अपनी साखियों में रूढ़ियों का विरोध किस प्रकार किया है ? एक उदाहरण दीजिए।

प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (3 + 3 = 6)

(क) हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगते हैं ?

(ख) हरिहर काका की मृत्यु के बाद उनकी जमीन पर किसके अधिकार की संभावना अधिक है ? अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ग) जीवन के अन्तिम दिनों में हरिहर काका कैसे दिन काट रहे थे ? उनकी दशा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

मूल्य आधारित प्रश्न

प्रश्न 16. 'हरिहर काका' पाठ की मुख्य समस्या क्या है ? यह प्रवृत्ति क्यों बढ़ रही है ? अपने विचार तर्कपूर्ण ढंग से प्रस्तुत कीजिए। (4)

अथवा

'हरिहर काका' का लेखक के साथ गहरा संबंध था। यह संबंध क्या था ? क्या आपका किसी बुजुर्ग व्यक्ति के साथ ऐसा संबंध है ? स्पष्ट कीजिए।

खंड 'घ'
लेखन

प्रश्न 17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– (5)

(क) **नैतिक शिक्षा की आवश्यकता**
- नैतिकता का अर्थ
- जीवन की आधारशिला
- विद्यालय स्तर पर आवश्यकता

(ख) **आज की बचत कल का सुख**
- उक्ति का स्पष्टीकरण
- दुखदायक स्थितियों में बचत का महत्त्व
- वर्तमान तथा भविष्य को सुरक्षित करना

(ग) **विद्यार्थी जीवन के कर्तव्य**
- मनुष्य के जीवन की नींव
- कर्तव्य क्या हों
- कैसे निभाएँ

प्रश्न 18. आपके शहर में आयोजित हो रहे आई.पी.एल. क्रिकेट के किसी मैच को देखने के लिए अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए। (5)

अथवा

किसी समाचार-पत्र के संपादक को बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं के विषय में चिन्ता व्यक्त करते हुए पत्र लिखिए।